समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

टीम इंडिया के स्टार टी20 बॉलर अर्शदीप सिंह को क्यों बाहर रखा गया ? कोच मोर्ने मोर्कल ने बताया सीक्रेट प्लान

Publisher

Published on 05 Nov 2025

भारतीय क्रिकेट टीम में टी20 फॉर्मेट के लिए अर्शदीप सिंह की लगातार टीम से बाहर रहना फैंस के लिए चिंता का विषय बन गया है। देश के सबसे प्रभावशाली और सफल टी20 बॉलर्स में शामिल अर्शदीप को हाल ही में कुछ मुकाबलों से बाहर रखा गया है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि आखिर टीम मैनेजमेंट का मकसद क्या है। हालांकि इस फैसले के पीछे टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खुलासा किया कि यह टीम के बड़े लक्ष्यों और रणनीति का हिस्सा है।

अर्शदीप सिंह ने पिछले कुछ वर्षों में टी20 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उनकी पावरप्ले में विकेट लेने की क्षमता उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक बॉलर्स में से एक बनाती है। इसके बावजूद, टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया कि उन्हें कुछ मैचों में आराम दिया जाए और अन्य गेंदबाजों को मौके दिए जाएं। मोर्ने मोर्कल का कहना है कि अर्शदीप इस फैसले को समझते हैं और इसे एक अवसर के रूप में देखते हैं ताकि वे अपने खेल के विभिन्न पहलुओं को और निखार सकें।

टीम इंडिया के कोच ने स्पष्ट किया कि अर्शदीप का चयन और बाहर रहना किसी तरह की आलोचना नहीं है। बल्कि, यह टीम की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। मोर्ने मोर्कल ने कहा कि टीम बड़े लक्ष्य के लिए खेल रही है और हर खिलाड़ी को विविध परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देना जरूरी है। अर्शदीप को पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने की क्षमता के लिए बेहद मूल्यवान बताया गया है, और उनका योगदान टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

टी20 फॉर्मेट में अर्शदीप का आंकड़ा और उनका अनुभव टीम के लिए हमेशा भरोसेमंद साबित हुआ है। उनकी गति, स्विंग और यॉर्कर क्षमता बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण रही है। हालांकि टीम मैनेजमेंट का मानना है कि अन्य युवा गेंदबाजों को मौके देने से टीम में संतुलन और प्रतिस्पर्धा बनी रहती है। मोर्ने मोर्कल के अनुसार, अर्शदीप इस रणनीति को समझते हैं और उन्हें इसका फायदा उठाकर अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि अर्शदीप सिंह की गैरमौजूदगी में टीम के अन्य गेंदबाजों को जिम्मेदारी लेने का मौका मिलता है, जिससे टीम की गहराई और विकल्प बढ़ते हैं। यह निर्णय केवल मौजूदा मैचों के लिए नहीं बल्कि भविष्य की रणनीति के लिए भी महत्व रखता है। अर्शदीप के खेल में निरंतरता और फिटनेस बनाए रखने के लिए यह ब्रेक जरूरी भी माना जा रहा है।

टीम इंडिया के कप्तान और कोच ने भी बार-बार अर्शदीप की टीम के लिए अहमियत को रेखांकित किया है। मोर्ने मोर्कल ने बताया कि अर्शदीप पावरप्ले में टीम के लिए सबसे खतरनाक हथियार हैं और उनकी वापसी टीम की ताकत को बढ़ाएगी। यह स्पष्ट है कि टीम मैनेजमेंट का उद्देश्य सिर्फ प्रदर्शन नहीं बल्कि खिलाड़ी के मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखना भी है।

अर्शदीप की टीम से बाहर रहने की स्थिति क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया और फैंस के बीच इस पर बहस भी देखने को मिल रही है। हालांकि टीम का फोकस रणनीति और लंबी अवधि की तैयारी पर है, ताकि बड़े टूर्नामेंट और महत्वपूर्ण मैचों में भारत को मजबूती के साथ प्रस्तुत किया जा सके।

टी20 फॉर्मेट में अर्शदीप की वापसी निश्चित रूप से टीम की गेंदबाजी को और अधिक मजबूत बनाएगी। उनके अनुभव और तकनीकी कौशल का फायदा टीम को किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में मिलेगा। मोर्ने मोर्कल ने यह भी स्पष्ट किया कि अर्शदीप इस ब्रेक का उपयोग अपने खेल को निखारने और टीम के लिए और अधिक प्रभावी बनने में करेंगे।

इस प्रकार, अर्शदीप सिंह को टीम से बाहर रखने का निर्णय कोई आलोचना नहीं बल्कि टीम इंडिया की लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा है। यह रणनीति टीम के सामूहिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने और खिलाड़ियों को विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देने के उद्देश्य से बनाई गई है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.